अग्रसेन विकास

समाचार पत्रिका

सितम्बर 2022 – मई 2023

श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी द्वारा संचालित

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

Scanned with OKEN Scanner

अग्रसेन विज्ञान

समाचार पत्रिका

सितम्बर 2022 – मई 2023

प्राचार्य

प्रो. मिथिलेश सिंह

परामर्शदाता

प्रो० ओ०पी० चौधरी

संपादक

डॉ० सुमन सिंह

सह–संपादक

श्रीमती शोभा प्रजापति

डॉ० प्रिया भारतीय

श्रीमती मेनका सिंह

श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी द्वारा संचालित

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

Scanned with OKEN Scanner

प्रबंधक की कलम से...

मुझे अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है कि श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में अग्रसेन विहान त्रैमासिक समाचार पत्रिका के द्वितीय व तृतीय संस्करण का 'संयुक्तांक' प्रकाशित किया जा रहा है।

महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु कृत संकल्प है। ऐसे में पत्रिका के प्रकाशन से छात्राओं के ज्ञानार्जन के साथ ही नैसर्गिक प्रतिभा को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस सार्थक एवं अभिनव पहल हेतु महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह, समस्त शिक्षकगण एवं सम्पादक मण्डल के प्रति मैं शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ। मैं महाविद्यालय पत्रिका प्रकाशन के इस पुनीत कार्य की सराहना करती हूँ। आशा करती हूँ कि यह पत्रिका महाविद्यालय एवं छात्राओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

नई सोच, नई उम्मीद, नए उत्साह के साथ यह पत्रिका उत्तरोत्तर अग्रसर होती रहे,

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ.....

डॉ. मधु अग्रवाल
(प्रबंधक)

श्री काशी अग्रवाल समाज द्वारा संचालित
श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज
बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी
महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

प्राचार्य की कलम से...

श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय उत्तरोत्तर शिक्षा जगत में विकास की ओर अग्रसर है। अत्यन्त हर्ष के साथ मैं विदित कराना चाहती हूँ कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाएं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईं। मैं महाविद्यालय के सभी सहयोगियों को हृदय से आभार एवं शुभकामनाएं देती हूँ तथा अपेक्षा करती हूँ कि शिक्षा पटल पर आपके योगदान के माध्यम से छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल हो जिससे समाज का कोना-कोना आलोकित होता रहे।

किसी भी महाविद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन उस संस्था की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल आदि गतिविधियों के साथ-साथ विशिष्ट उपलब्धियों का भी प्रतिबिम्ब होता है। इसी मूल उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय द्वारा विगत कई वर्षों से प्रकाशित होने वाले समाचार बुलेटिन अग्रसेन टाइम्स का ही संशोधित, संवर्धित एवं नव-सृजित रूप में अग्रसेन विहान त्रैमासिक समाचार पत्रिका के द्वितीय तथा तृतीय संस्करण के संयुक्तांक का प्रकाशन किया जा रहा है। जो महाविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों के साथ-साथ अन्य गतिविधियों का भी संकलन है। यह पत्रिका शैक्षिक उपलब्धियों एवं विशिष्ट गतिविधियों के प्रति जागरूकता का परिचायक है। इस प्रकार की पत्रिका के माध्यम से महाविद्यालय में सम्पादित गतिविधियों को सृजनात्मक अभिव्यक्ति का सुअवसर प्राप्त होता है। मैं महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देती हूँ कि महाविद्यालय सदा नई ऊँचाइयों को छूता रहे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय की प्रगति एवं उत्कर्ष हेतु आपका सकारात्मक सहयोग एवं योगदान प्राप्त होता रहेगा। महाविद्यालय प्रशासन तथा समस्त प्राध्यापकगण एवं अध्ययनरत छात्राओं को हृदय से साधुवाद!

छात्राओं को नवीन सत्र की शुभकामनाओं के साथ.....

प्रो. मिथिलेश सिंह
(प्राचार्य)

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वकर्मा जयन्ती

महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 7 सितम्बर, 2022 को विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर राष्ट्र निर्माण में अभियांत्रिकी का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन, भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जैव–प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विभा अग्रवाल ने राष्ट्र निर्माण में अभियांत्रिकी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बी.एस–सी. की छात्रा प्रियंका दास ने भगवान विश्वकर्मा के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डाला एवं छात्रा वैशाली ने गणेश वंदना प्रस्तुत की जिस पर खुशी यादव एवं दीक्षा ने नृत्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् ब्रह्मास्त्र से ब्रह्मोस्त्र पर एक वृत्तचित्र दिखाया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अनन्या तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव की सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला, डॉ. संजय सिंह, डॉ. दीपा अग्रवाल, डॉ. वन्दनी, डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. उपाध्याय, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. निधि वाजपेयी इत्यादि प्रवक्तागण, कर्मचारी एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

विश्व पर्यटन दिवस

महाविद्यालय में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत वाणिज्य संकाय द्वारा 27 सितम्बर, 2022 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश में पर्यटक सम्भावनायें विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन, माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत तथा गणेश वन्दना पर नृत्य प्रस्तुति कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री प्रीति श्रीवास्तव (उपनिदेशक, पर्यटन विभाग, वाराणसी), प्रबंधक डॉ. मधु अग्रवाल, सहायक मंत्री डॉ. रूबी साह का स्वागत संकायाध्यक्ष डॉ. असीम वर्मा ने किया। विषय प्रवर्तन डॉ. कंचन सिंह द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन द्वारा छात्राओं का उत्साहवर्धन किया जिसमें उन्होंने पर्यटन का सही अर्थ एवं मूल उद्देश्य समझाया। प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल ने पर्यटन के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई एवं उनके द्वारा निर्मित पी.पी.टी. की प्रस्तुति प्रवक्ता श्री शिशिर श्रीवास्तव ने की। पोस्टर प्रतियोगिता में काजल मौर्या प्रथम, शिखा कुमारी द्वितीय, सृष्टि और शिव कुमारी को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वन्दना उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव की सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. निधि वाजपेयी, डॉ. वन्दनी, डॉ. अर्चना सिंह इत्यादि उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षक दिवस : राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका

महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में 5 सितम्बर, 2022 को भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के सुअवसर पर 'शिक्षक दिवस समारोह' का आयोजन प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह की अध्यक्षता में किया गया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, गुरु वन्दना भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह (विधान परिषद सदस्य माननीय), प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल, अध्यक्ष श्री अरूण कुमार एवं सहायक मंत्री रूबी शाह का स्वागत प्रो. मिथिलेश सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह स्वागत प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंहन ने कहा कि गुरु का दायित्व केवल शिष्य को ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि ज्ञान की सार्थकता एवं उनके व्यक्तित्व को विकसित करना भी है साथ ही साथ उन्होंने अपने वक्तव्य में शिक्षक के सात गुणों पर भी प्रकाश डालते हुए भारत के विश्वगुरू बनने की बात का उल्लेख किया। महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के भविष्य शिक्षक पर निर्भर है, सभी को अच्छी शिक्षा मिले एवं शिक्षकों को बेहतर वातावरण मिले, शिक्षकों के समस्याओं का समाधान हो। मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह ने कहा कि शिक्षक का स्थान सबसे ऊँचा होता है, शिक्षकों का दायित्व छात्राओं का उचित मार्गदर्शन करना, अच्छी शिक्षा व संस्कार देना है। अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. ओ.पी.चौधरी ने कहा कि ज्ञान– परम्परा का अद्‌भुत साक्ष्य है काशी, शिक्षक वह नहीं जो बच्चों के मस्तिष्क में तथ्यों को जबरन ठूसे, बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है जो छात्रों को सद्‌जीवन के मार्ग से अवगत करा करा सके। डॉ. आकाश ने कहा कि हमारा कल बहुत मजबूत था, भारत की संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् की रही है। शिक्षक सभी के लिए आदर्श है। अध्यक्ष श्री अरूण कुमार एवं सहायक मंत्री रूबी शाह ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आभा सक्सेना एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रिया भारतीय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की शिक्षक डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. दुष्यन्त सिंह, डॉ. सरला सिंह, डॉ. सोनम चौधरी, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. पूनम श्रीवास्तव, डॉ. श्रृंखला, डॉ. मृदुला व्यास, डॉ. वन्दनी, डॉ. दुर्गा, डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. साधना यादव, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. शोभा प्रजापति, डॉ. सुनीता एवं अनेक प्रवक्तागण तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

Scanned with OKEN Scanner

गांधी जयन्ती / लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के परमानन्दपुर तथा बुलानाला परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में महाविद्यालय द्वारा प्रातः 9:00 बजे ध्वजारोहण किया गया तथा गांधी अध्ययन केन्द्र में गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने किया। दोनों महापुरूषों के व्यक्तित्व एवं योगदान पर चर्चा करते हुए प्राचार्य जी ने कहा कि गांधी जी का भजन ''वैष्णव जन तो तेने कहिएँ जे पीर पराई जाने रे'', जन-जन की आत्मा को झंकृत करता है तथा उनका अहिंसा का सिद्धान्त समाज में शांति का मार्ग प्रशस्त करते हुए विकास की बात करता है। भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'सादा जीवन उच्च विचार' के आधार पर सादगी और त्याग की मिशाल दी जाती है। आज हमें उनके विचारों एवं सिद्धान्तों को आत्मसात करने जरूरत है। तत्पश्चात् अधिष्ठाता प्रशासन प्रो.ओ.पी. चौधरी ने दोनों महापुरूषों के जीवन संघर्ष तथा स्वतन्त्रता आन्दोलन में उनके योगदान की चर्चा की, इसके साथ ही महिलाओं के प्रति उनके उच्च दृष्टिकोण को भी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आकाश ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

विश्व हाथ धुलाई दिवस

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी.कॉलेज, वाराणसी में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में दिनांक 15 अक्टूबर, 2022 को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर गृहविज्ञान विभाग द्वारा "स्वच्छता जागरूकता एवं संक्रामक रोगो से बचाव" का आयोजन परमानन्दपुर गाँव के पचायत भवन में किया गया, जिसमें डॉ. अनीता सिंह ने ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छता एवं संक्रामक रोगों से बचाव के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस बीमारी का फैलाव हाथों के द्वारा ही हुआ और हाथों की अस्वच्छता से ही अन्य बीमारियाँ फैलती है। इस अवसर पर प्रसार एवं संचार विभाग की डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे हाथों में अनदेखी गन्दगी छिपी होती है। यह गन्दगी बगैर हाथ धोए खाद्य एवं पेय पदार्थों के सेवन से शरीर में जाती है और बीमारियों को जन्म देती है। इसलिए हाथ की सफाई बहुत आवश्यक है। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वच्छता एवं स्वास्थ्य पर कविताएं सुनाई तथा अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर डॉ. सुमन तिवारी, डॉ. नीलू गर्ग एवं छात्राएं अंकिता, प्राची सिंह, निधि, पिंकी आदि उपस्थित रहीं।

विश्व खाद्य दिवस

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी.कॉलेज, वाराणसी में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 को गृहविज्ञान विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर "मिलेट्स की उपयोगिता पर अभियान" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आहार एवं पोषण विज्ञान प्रयोगशाला में स्वस्थ पोषणीय इन्द्र धनुषीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने सभी खाद्य समूह का प्रयोग करके आकर्षक रंगोली का निर्माण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल ने छात्राओं के कार्य की सराहना की और कहा कि मोटे अनाज ऊर्जा के स्रोत के साथ-साथ प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों की प्राप्ति के साधन है। हमें प्रतिदिन आहार में शामिल करने का प्रयास करना चाहिए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने छात्राओं को बताया कि मोटे और सस्ते अनाज भोजन आधार होने के साथ-साथ मधुमेह और मोटापे जैसी बड़ी समस्याओं को दूर करने में भी सहायक है। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. ओ.पी. चौधरी सर ने छात्राओं की मेहनत और लगन की प्रशंसा की। सम्पूर्ण कार्यक्रम डॉ. अनीता सिंह के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता मण्डल में डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संध्या ओझा, डॉ. सोनम चौधरी रहीं। प्रतियोगिता में 41 छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें अंजली मौर्या प्रथम स्थान, रीना पटेल द्वितीय स्थान, सौम्या सोनकर तृतीय स्थान, आंचल एवं प्राची ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रूचि त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री दिव्या पाल ने दिया। इस अवसर पर श्रीमती अंजली त्यागी, समन्वयक डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, डॉ. भावना, डॉ. सुमन तिवारी, डॉ. नीलू गर्ग, डॉ. सीमा अस्थाना, डॉ. उषा बाल चन्दानी एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 28 अक्टूबर, 2022 को हिन्दी विभाग द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर महर्षि वाल्मीकि का जीवन परिचय व साहित्य महत्व विषयक पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित शिक्षकगण एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदि कवि बनने के सन्दर्भ का उल्लेख पंत जी की पंक्तियों से किया 'वियोगी होगा पहला कवि आह से उपजा होगा गान, निकलकर आँखों से चुपचाप बही होगी कविता अनजान'। तत्पश्चात् मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रशासन प्रो.ओ.पी. चौधरी जी ने अपने वक्तव्य में छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आदि कवि द्वारा रचित वाल्मीकि रामायण से राम के जीवन आदर्श को आत्मसात करने की आवश्यकता है। प्राचीन इतिहास विभाग की डॉ. मनीषा सिन्हा ने कहा कि रामायण में उल्लेखित पात्रों के माध्यम से भारत ही नहीं अपितु विश्व में उच्च आदर्शों की स्थापना की जा सकती है। रामायण केवल महाकाव्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। हिन्दी विभाग की डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने कहा कि वाल्मीकि जीवन से सीखा जा सकता है कि किस प्रकार अपनी कमियों पर विजय प्राप्त कर जीवन का आदर्श रूप प्रस्तुत किया जा सकता है तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरती सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर समन्वयक डॉ. दुष्यन्त सिंह, डॉ. सोनम चौधरी, मेनका सिंह, डॉ. सुमन सिंह तथा अनेक प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

श्री अग्रेसेन कन्या पी.जी. कॉलेज वाराणसी में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आज दिनांक 11 नवम्बर 2022 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य में मौलाना अबुल कलाम आजाद के शैक्षिक विचारो की प्रासंगिकता विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पंडित दीनदयाल–प्राध्याय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुधा पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा के द्वारा बच्चों का सर्वागीण विकास होता है और उन्होने शिक्षमन्त्री के रूप में अबुल कलाम आजाद की शिक्षा के विकास के लिए किये गये प्रयासों पर प्रकाश डाला, आपने यह भी बताया कि राष्ट्रीय शिक्षानीति 2022 में शामिल बहुत सारे बिन्दु मौलाना अबुल कलाम आजद के विचारो से प्रेरित है अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अक्षर ज्ञान नही बल्कि व्यक्तित्व के चहुमुखी विकास की एक प्रकिया है, जो निरन्तर चलती रहती है। शिक्षा का उद्देश्य कंदल जीविकोपार्जन न होकर चारित्रिक, आध्यामिक एवं नैतिक विकास होना चाहिए कार्यकम के दौरान बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अमीषा पटेल द्वारा सरस्वती वन्दना तथा छात्राओं द्वारा मौलाना अबुल कलाम आजाद जी से सम्बन्धित चार्ट पोस्टर आदि का भी प्रदर्शन किया गया। बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा निधि पटेल ने भी कलाम आजाद के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला, विषय स्थापना डॉ. निशा पाठक, शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा की गई । कार्यकम का संचालन डॉ. चन्दा रानी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अनीता सिंह द्वारा किया गया। कार्यकम में प्रो. समन मिश्रा, प्रो. कुमुद खिंह एवं अन्य अनेक प्रवक्ता तथा छात्राये उपस्थित रही।

वीरांगना उदा देवी शहीदी दिवस

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कालेज वाराणसी में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 16 नवम्बर 2022 को प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा उदा देवी शहीदी दिवस पर वीरांगना उदा देवी का जीवन परिचय विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यकम में छात्रा शालू ने वीरांगना उदा देवी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हे वीरता, शौर्य और साहस का प्रतीक बताया। छात्रा प्रिया पटेल ने वीरांगना उदा देवी के स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान को कविता के माध्यम से अभिव्यक्त किया। कार्यकम का संचालन छात्रा स्नेहा मिश्रा द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन शिवांगी कुमारी द्वारा किया गया। कार्यकम में अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रही।

गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में "गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस" पर उनके जीवन परिचय पर 28 नवम्बर, 2023 को एक संगोष्ठी का आयोजन प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा किया गया। कार्यकम मे डॉ. अंजना सिंह ने गुरू तेग बहादुर के जीवन पर चर्चा करते हुए उनकी बहादुरी, साहस, त्याग और बलिदान तथा औरंगजेब के अत्याचारों के विरूद्ध संघर्ष के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। इसी कम में छात्रा सरिता ने बताया कि गुरू तेग बहादुर ने आस्था विश्वास और अधिकारो के रक्षा के लिए बलिदान दिया था। छात्रा ज्योति ने गुरू तेगबहादुर के जीवन के बारे में चर्चा करतें हुए कहा कि उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए खुद को कुर्बान कर दिया, लेकिन औरंगजेब के सामने सिर नही झुकाया। छात्रा प्रिया कुमारी ने कविता के माध्यम से गुरू तेग बहादुर के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। कार्यकम का संचालन छात्रा प्रतिक्षा आनन्द ने एवं धन्यवाद ज्ञापन शिवानी कुमारी ने किया। इस अवसर पर अनेक प्रवक्तागण एवं छात्राये उपस्थित रही।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्व एड्स दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तत्वावधान में 'विश्व एड्स दिवस' (1 दिसम्बर) के अवसर पर एड्स जागरूकता विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ, तत्पश्चात् मुख्य अतिथि प्रो. सनत शर्मा का स्वागत समाजशास्त्र विभाग द्वारा पुष्प गुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान कर किया गया। इसी क्रम में स्वागत उद्बोधन प्रो. आकाश जायसवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम विषय स्थापना समाजशास्त्र विभाग की प्रवक्ता प्रो. रमा पाण्डेय ने किया और एड्स कैसे होता है, उससे बचने के उपाय एवं बीमारी के प्रति हमें जागरूक रहने की आवश्यकता है, पर वक्तव्य दिया। मुख्य वक्ता प्रो. सनत कुमार शर्मा ने एड्स पीड़ितों का समाज में समायोजन की समस्या पर विस्तृत व्याख्यान दिया एवं एड्स कैसे, कहाँ से आया, एड्स क्यों हो रहा है, एड्स से बचाव, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं व्यवहार से बीमारी से बचाव, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के बारे में अपने विचार व्यक्ति किये। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दुर्गा गौतम एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनीता पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव की सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला, डॉ. बृजेश पाण्डेय, डॉ. मीना अग्रवाल, डॉ. चन्दा रानी इत्यादि अनेक प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

जतिन्द्र नाथ मुखर्जी जन्म दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तत्वावधान में जतिन्द्र नाथ मुखर्जी / बाघा जतिन का जन्म दिवस 7 दिसम्बर, 2022 को मनाया गया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जतिन्द्र नाथ मुखर्जी के क्रान्तिकारी जीवन, त्याग, बलिदान, कार्यो को एवं उन्होंने अपने प्राणों की बाजी लगाकर अन्याय का विरोध किया और जेलों में रह रहे भारतीय कैदियों की दुर्दशा को दूर करने पर दबाव डाला। यह उनके बलिदान का प्रभाव था कि बाद के वर्षो में जेलों की दशा में सुधार हुआ, पर चर्चा किया गया। तत्पश्चात् निबन्ध प्रतियोगिता में बी.ए. की छात्राएं आसी यादव, अंजली यादव, ज्योति कुमारी, प्रिया मिश्रा, आकांक्षा पटेल, नेहा गुप्ता, त्रिज्या पटेल, ज्योति कुमारी, संध्या कुमारी, सिमरन, बबिता, अंजलि पाल, अंकिता, रागिनी यादव, तनु, नन्दिनी राजभर, संध्या यादव, पायल श्रीवास्तव आदि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. पूनम राय, डॉ. धनन्जय सहाय, सुश्री मीनाक्षी मधुर तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

दुर्गा भाभी जन्म दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तत्वावधान में दुर्गा भाभी के व्यक्तित्व पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. मनीषा सिंह ने दुर्गा भाभी के जीवन के विभिन्न पहलुओं और स्वतंत्रता आन्दोलन में उनकी सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा प्रतीक्षा आनन्द ने देश की आजादी में वीरांगना दुर्गा भाभी के योगदान, उनकी क्रान्तिकारी गतिविधियों के विषय मे अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन छात्रा स्नेहा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर अनेक प्रवक्तागण एवं छात्रायें उपस्थित रही।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

सत्यमेव जयते

1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाये गये मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में निहित अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने, जागरूकता एवं राजनैतिक इच्छाशक्ति बढ़ाने के लिए यह दिवस 10 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के परमानन्दपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तत्वावधान में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर 'मानव अधिकारों का महत्व' नामक विषय पर दिनांक 10 दिसम्बर 2022 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रा भाषण प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता समावेशित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह ने की। उन्होंने इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ की थीम 'सभी के लिए प्रतिष्ठा, स्वतंत्रता एवं न्याय' की भी चर्चा की तथा मानवाधिकार किसे कहते हैं? इस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में भी भाषण प्रतियोगिता के अन्तर्गत बी. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा मौर्या ने मानवाधिकार को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ में क्या-क्या प्रावधान है? वैश्विक परिदृश्य में मानवाधिकार की क्या स्थिति है? इस पर अपने विचार व्यक्त किये। एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा शिवांगी श्रीवास्तव ने महिलाओं के सन्दर्भ में मानवाधिकार तथा भारत में महिलाओं के अधिकारों को लेकर जागरूकता लाने के प्रयास पर अपने पक्ष रखें। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा नेहा पटेल ने भारतीय संविधान में मानवाधिकारों को लेकर किये गये प्रावधानों पर चर्चा की। इसी कड़ी में छात्राओं के मध्य मानवाधिकार सम्बन्धी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करायी गयी, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा प्रश्नों के उत्तर दिये। कार्यक्रम का संचालन सुश्री मीनाक्षी मधुर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूनम राय ने किया। कार्यक्रम में आज़ादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. धनन्जय सहाय सहित अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

विश्व श्रवण दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'विश्व श्रवण दिवस' के अवसर पर 3 मार्च, 2023 को 'श्रवण दिव्यांगता जागरूकता' विषय पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. निशा पाठक द्वारा समस्त अभ्यागतों का स्वागत और विषय स्थापना की गई। अग्रिम कड़ी में प्रो. अनीता सिंह ने अपने वक्तव्य में विश्व श्रवण दिवस के महत्व, श्रवण सम्बन्धी समस्याओं तथा उनकी रोकथाम पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. ओ.पी. चौधरी ने श्रवण दिवस के इतिहास और जागरूकता को व्यवहारिकता से जोड़ते हुए विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला। बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा निधि पटेल ने भी पर अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन प्रवक्ता आशीष कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर अनेक प्रवक्तागण एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

गोवा मुक्ति दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में गोवा मुक्ति दिवस के अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातात्विक एंव संस्कृति विभाग द्वारा 'गोवा मुक्ति में स्थलीय क्रान्तिकारियों की भूमिका' नामक विषय पर दिनांक 19 दिसम्बर 2022 को एक परिचर्चा आयोजित की गयी। कार्यक्रम का संचालन तथा विषय स्थापना आजादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. श्रृंखला सिंह ने की। उन्होंने बताया कि 19 दिसम्बर को गोवा मुक्ति दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है। तथा वर्तमान में गोवा का भारतीय सामरिक दृष्टि में क्या स्थान है। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में मुख्य वक्ता डॉ. नन्दिनी पटेल ने गोवा की भौगोलिक स्थिति के साथ-साथ इतिहास में किये गये आन्दोलनों की चर्चा की, जिसमें स्थानीय क्रान्तिकारी टी.वी. कुन्हा के नेतृत्व में लोगों ने भाग लिया था। राम मनोहर लोहिया का भी उस स्वतंत्रता आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका थी। 1947 ई. में स्वतन्त्रता के बाद सरकार के शांतिपूर्ण प्रयासों के बाद भी जब गोवा आजाद नहीं हुआ तो 2 दिसम्बर 1961 को भारत की राशस्त्र सेनाओं ने गोवा पर आक्रमण किया तथा 36 घण्टे चले संघर्ष में गोवा को मुक्त करा लिया। 19 दिसम्बर 1961 को 'ऑपरेशन विजय' अभियान के माध्यम से गोवा पूर्णतया पुर्तगाल से स्वतन्त्र करा लिया गया तथा वह भारत का अभिन्न हिस्सा बन गया। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में वक्ता डॉ. वन्दिनी ने गोवा मुक्ति आंदोलन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा बताया कि सुधाताई जोशी, वत्सला किर्तानी, शारदा साव, सिन्धू देशपाण्डे जैसी अनेक महिलाओं ने आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। परिचर्चा के इसी क्रम में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा प्रतीक्षा आनन्द ने आन्दोलन में राम मनोहर लोहिया के योगदानों पर चर्चा की तथा 1961 में गोवा को मुक्त कराने में कितने भारतीय सैनिक शहीद हुए? इसका भी विवरण दिया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. दुर्गा गौतम ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा गोवा में पुर्तगाली संस्कृति के प्रभाव पर भी अपने विचार व्यक्ति किये। कार्यक्रम में प्रवक्ताओं के साथ-साथ अनेक छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

प्रवासी भारतीय दिवस

Pravasi Bharatiya Divas

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'प्रवासी भारतीय दिवस' के अवसर पर देश के विकास में प्रवासी भारतीयों की भूमिका विषय पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संगोष्ठी एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन 9 जनवरी, 2023 को किया गया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. पूनम राय ने प्रवासी भारतीय दिवस मनाने के सन्दर्भ में कहा कि यह दिवस विदेश में रहने वाले भारतीयों को एक दूसरे के से परिचित होने का मंच प्रदान करता है। डॉ. धनन्जय सहाय ने कहा कि प्रवासी भारतीयों का भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में अभूतपूर्व योगदान रहा है, यही नहीं भारत में प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका निवेश को बढ़ावा देने एवं सुविधा प्रदान करने में भी रही है। इस अवसर पर छात्राओं ने निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिसमें रोशनी साहनी, दीपांजलि पाण्डेय, अंशिका सिंह, नाजिया परवीन, काजल सेठ, आकांक्षा गुप्ता, तमीषा सेठ इत्यादि छात्राएं सम्मिलित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य विभागों के प्रवक्तागण एवं छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्व विरासत सप्ताह : हमारी विरासतें

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में विश्व विरासत सप्ताह (19 से 25 नवम्बर, 2022) के अवसर पर हमारी विरासतें नामक विषय पर गोष्ठी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने की। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी विरासतें ही हमारी अस्मिता की पहचान है। विरासतें एक शब्द नहीं है बल्कि एक प्रणाली है, जो जीवन जीने के लिए अत्यन्त आवश्यक है। इसी क्रम में विषय स्थापना करते हुए प्रो. दुष्यन्त सिंह ने विरासत से क्या अभिप्राय है? विरासत के प्रकार एवं संविधान में विरासत संरक्षण के क्या प्रावधान है? इस पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. ओ.पी. चौधरी ने विरासत के अन्तर्गत प्रकृति के संरक्षण पर बल दिया और कहा कि व्यक्ति का अपनी विरासत से वैसा ही रिश्ता होता है जैसा कि अपनी माँ से। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा साक्षी मौर्या ने 'आत्म निर्भर', हम बोलो वन्देमातरम्, गीत के माध्यम से विरासतों को संजोने का संदेश दिया। समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. आभा सक्सेना ने परम्परा किसे कहते हैं? परम्परा किस प्रकार परिवर्तित होकर विरासत बन जाती है? इस पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. निशा पाठक ने विरासत को व्याख्यायित करते हुए कहा कि परिवार द्वारा प्राप्त संस्कार, मूल्य भी हमारी विरासतें हैं। इन विरासतों को संरक्षित करने के लिए छोटे-छोटे प्रयास करते रहना चाहिए। इसी क्रम में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा तनु सिंह ने एक लोकगीत प्रस्तुत किया तथा प्रतीक्षा आनन्द ने विरासतों के अन्तर्गत सिन्धु सभ्यता के एक पुरास्थल धौलावीरा के विषय में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरला सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नन्दिनी पटेल ने किया। कार्यक्रम में सुश्री मिनाक्षी मधुर, डॉ. साधना यादव इत्यादि प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

वहीं महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में विश्व विरासत सप्ताह के तृतीय दिवस 24 नवम्बर, 2022 को एक व्याख्यानमाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. बन्दनी ने धरोहरों की चर्चा करते हुए काशी की प्राचीनता पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में सारनाथ के धरोहरों पर भी बात करते हुए उसे भारतीय धर्म तथा संस्कृति के अमूल्य धरोहर के रूप में बताया। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में डॉ. प्रिया भारतीय ने सप्ताह तथा दिवसों की सार्थकता पर बल दिया। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राएं रूबी पटेल, प्रतिमा और स्नेहा मिश्रा ने भी विरासतों के संरक्षण पर अपने-अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरला सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मेनका सिंह ने किया। कार्यक्रम में अनेक प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

चौधरी चरण सिंह जयन्ती : किसान दिवस

भारत, जैसा कि सर्वविदित है कि यह कृषि प्रधान देश है और देश की रीढ़ है, अन्नदाता है, किसान देश की अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता प्रदान करने में किसानों की भूमिका महत्वपूर्ण है, किंतु कहीं न कहीं किसानों का खेती-बारी से मोहभंग होता जा रहा है। महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तत्वावधान में वाणिज्य संकाय / अर्थशास्त्र विभाग द्वारा चौधरी चरण सिंह जयन्ती / किसान दिवस के उपलक्ष्य में 23 दिसम्बर 2022 को प्रदेश की 'अर्थव्यवस्था में किसानों का योगदान' नामक विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। संकायाध्यक्ष डॉ. असीम वर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह देश के 5वें प्रधानमंत्री होने के साथ-साथ किसानों के मसीहा भी थे। उन्होंने सदैव किसानों की समस्या को महत्व दिया तथा तथा उसके निराकरण का सराहनीय प्रयास किया। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभ शंकर पाण्डेय ने बताया कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के हित में किये गये कार्यों को सम्मान देने के लिए 2001 में सरकार द्वारा उनके जन्म दिवस को किसान दिवस के रूप में घोषित किया गया। राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता प्रो. आकाश ने भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में छात्राओं के मध्य कार्यक्रम के विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करायी गयी, जिसमें मन्दोदरी भारद्वाज, आकांक्षा यादव, एकता चौरसिया, वर्षा, प्रियंका केशरी, मुस्कान कुमारी, वैष्णवी वर्मा एवं स्नेहल शर्मा ने 'भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों के योगदान के पक्ष में विचार व्यक्त किये। वर्तमान में औद्योगिकरण की दुनिया में भी भारतीय अर्थव्यवस्था की जी.डी.पी. में कृषि का 20 प्रतिशत के लगभग योगदान है और इसका श्रेय भारतीय किसानों को जाता है।

वहीं अदितिराज, आफरीन बानो, खुशबू, अंकिता सिंह, श्रेया गुप्ता तथा अंजलि पाठक इत्यादि छात्राओं ने विषय के विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। उनके अनुसार कृषि के क्षेत्र में प्रयोग होने वाले रासायनिक खादों ने न केवल मानव जीवन के स्वास्थ्य पर बल्कि जल, भूमि तथा वायु सभी को प्रभावित किया है तथा कृषि हेतु वनों का क्षरण वैश्विक उष्मन में वृद्धि कर रहा है और विश्व के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। वाद-विवाद के अन्त में सभी छात्राओं को पेन देकर पुरस्कृत किया गया तथा प्रथम एवं द्वितीय स्थान की भी घोषणा की गयी। कार्यक्रम का संचालन बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्रा आयुषी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रभाशंकर पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. श्रृंखला सिंह तथा नन्दिनी पटेल, डॉ. सुमन गौरव, डॉ. कविता सिंह, डॉ. कंचन सिंह, डॉ. कंचनमाला यादव, डॉ. स्नेहा, डॉ. शिशिर, डॉ. शुभा वर्मा इत्यादि अनेक प्रवक्ता तथा छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जन्म दिवस

सुशासन दिवस

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म दिवस /सुशासन दिवस की पूर्व संध्या पर 24 दिसम्बर, 2022 को कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश सिंह दीक्षित (राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के संयुक्त मंत्री व प्रभारी उच्च शिक्षा) ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी अद्भुत प्रतिभा के धनी थे। देश प्रेम के साथ ही हिन्दी से भी बहुत लगाव था। अनेक राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सरकार चलाने का जो कौशल उनमें था वह अन्य किसी में नहीं दिखाई देता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. दुष्यन्त सिंह (आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के समन्वयक तथा परीक्षा नियंत्रक) ने अपने वक्तव्य में कहा कि अटल जी पांच सिद्धान्तों धर्म, अध्यात्म, तत्व–ज्ञान एवं प्रेम, सौन्दर्य में प्रवित्रता पर आजीवन अनुप्रमाणित रहें। प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने अटलजी को भावभीनी श्रद्धांजलि आर्पित करते हुए कहा कि वे पूरे देश के भविष्य के निर्माता थे। वे छात्र जीवन से ही बहुत अच्छे वक्ता थे एवं पत्रकार के रूप में भी बहुत चर्चित थे। प्रो. सिंह ने महामना मालवीय जी को भी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शिक्षा जगत में उनके प्रेरक योगदान की चर्चा की। अभ्यागतों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. ओ.पी. चौधरी ने अटल जी के व्यक्तित्व को शुचिता की राजनीति का पर्याय बताया। इस अवसर पर अटल जी की कविताओं को आंचल त्रिपाठी, प्राची सिंह, नेहा पटेल, प्रतिष्ठा यादव, सुजाता पाल ने बड़ी ही ओजपूर्ण वाणी में वाचन किया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती, महाराज श्री अग्रसेन, अटल बिहारी वापजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सुमन मिश्रा, आई.क्यू ए.सी. समन्वयक प्रो. कुमुद सिंह, प्रो. अनीता सिंह, डॉ. अपर्णा शुक्ला, डॉ. बन्दनी, डॉ. प्रतिमा, श्रीमती मेनका सिंह, डॉ. प्रिया भारतीय, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. विनोद उपाध्याय, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. उषा चौधरी, डॉ. सरला सिंह आदि प्राध्यापकों सहित काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। संचालन प्रो0 संध्या ओझा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अराधना श्रीवास्तव ने किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 12 जनवरी, 2023 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में हिन्दी विभाग द्वारा स्वामी विवेकानन्द के आदर्श एवं विचार विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल एवं प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा पुष्पांजलि अर्पित करते हुए किया गया। इस अवसर पर प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए स्वामी विवेकानन्द के विचारों को आत्मसात कर जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने कहा कि युवा शक्ति ऊर्जा का केन्द्र है अतः स्वामी विवेकानन्द जी के विचार युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत है। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने युवाओं को स्वयं को शिक्षित करने एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रेरित किया। डॉ. राजकुमारी रानी विवेकानन्द जी के प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख कर छात्राओं को प्रेरित किया। डॉ. सुमन सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि स्वामी जी के विचार चीर शाश्वत हैं, आवश्यकता है कि हमारा युवा वर्ग उन विचारों को आत्मसात कर अपना मार्ग प्रशस्त करें। डॉ. शुधा वर्मा ने स्वामी जी की शिक्षा नीतियों का उल्लेख करते हुए छात्राओं को शिक्षा के महत्व से अवगत करवाया, साथ ही महाविद्यालय की छात्राओं ने भी अपने विचार स्वरचित कविता के माध्यम से व्यक्त किये। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव की सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला एवं डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. चन्दा रानी, डॉ. विनीता पाण्डेय, डॉ. कंचनमाला एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

अन्तर्राष्ट्रीय कॉक्लियर जागरूकता दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 25 फरवरी, 2023 को 'अन्तर्राष्ट्रीय कॉक्लियर जागरूकता दिवस' के अवसर पर गृहविज्ञान विभाग द्वारा कॉक्लियर प्रत्यारोपड़ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 सुमन मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि कॉक्लियर प्रत्यारोपड़ से जन्मजात बहरे बच्चों के सुनने की क्षमता को वापस लाया जा सकता है। कॉक्लियर इम्प्लांट एक छोटा इलेक्ट्रानिक उपकरण है जो उस नर्व को उत्तेजित करता है जो सुनने में मदद करती है। प्रो. अनीता सिंह ने कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के प्रकार के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि यह उपकरण सुनने और बोलने में अक्षम बच्चों के लिए वरदान साबित हो सकता है। प्रो. ओ.पी.चौधरी ने कॉक्लियर प्रत्यारोपड़ कराने के लाभ एवं सर्जरी के बाद की सावधानियों के विषय में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दिव्या पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आभा सक्सेना ने किया। इस अवसर पर प्रो. कुमुद सिंह, श्रीमती अंजनी त्यागी इत्यादि प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जन्म दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 23 जनवरी, 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जयन्ती के अवसर पर 'नेताजी और आजाद हिन्द फौज की भूमिका' नामक विषय पर कार्यक्रम का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह की अध्यक्षता में किया गया तथा उनके द्वारा स्वतन्त्रता आन्दोलन में नेताजी की भूमिका पर प्रकाश भी डाला गया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा साधना प्रजापति ने नेताजी के जीवन परिचय के साथ ही उनके द्वारा आजाद हिन्द फौज का गठन किन विषम परिस्थितियों किया गया इस पर अपने उद्‌गार व्यक्त किये। श्रेया सिंह द्वारा जर्मनी में नेताजी द्वारा 'फ्री इण्डिया सेण्टर' की स्थापना करने तथा वहीं से 'जय हिन्द' का नारा दिये जाने सम्बन्धित प्रसंगों पर विचार व्यक्त किया गया। इसी क्रम में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा शिवांगी जायसवाल ने नेताजी द्वारा 21 अक्टूबर, 1943 ई. को सिंगापुर में स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार के गठन पर प्रकाश डाला। एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा शिवांगी श्रीवास्तव ने कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने अपने आजाद हिन्द फौज के गठन में महिलाओं को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया तथा रानी लक्ष्मी बाई के नाम पर रानी झांसी रेजिमेण्ट स्थापित किया। इसके अतिरिक्त सुधा सिंह, अशु, श्रेया सिंह, मीनाक्षी सोनकर, ममता, काव्या तिवारी, मौसम कुमारी इत्यादि छात्राओं ने भी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया तथा आजाद हिन्द फौज में नेताजी की भूमिका पर अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनम चौधरी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूनम राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव की सह–समंवयक डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. धनन्जय सहाय इत्यादि अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 24 जनवरी, 2023 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 'बालिका सुरक्षा : सम्मान एवं स्वावलम्बन' विषय पर वैचारिक विमर्श का आयोजन किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने कहा कि शिक्षा से ही बालिकाएं आत्म निर्भर एवं सशक्त बनेंगी, इसलिए उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. ओ. पी. चौधरी (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान सकायाध्यक्ष) ने कहा कि बालिका दिवस पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के प्रथम बार पदभार ग्रहण (24 जनवरी, 1966) करने पर एवं बाल कल्याण मन्त्रालय की ओर से प्रति वर्ष 2008 से मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लिंग पर आधारित भेदभाव समाप्त करना तथा बालिकाओं को शिक्षित एवं स्वावलम्बी बनाना है व उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। प्राचीन इतिहास के विभागाध्यक्ष तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. दुष्यन्त सिंह ने कहा कि जब बालिकाएँ अपना निर्णय स्वयं लेने लगेंगी तभी वे आत्म निर्भर होंगी और सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का भाव उनमें स्वतः आ जायेगा। निरंजना, निधि पटेल, प्रिया, असावरी आदि छात्राओं ने भी अपने विचार और कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शोभा प्रजापति तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बृजेश पाण्डेय ने किया। बुलानाला परिसर में कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. आभा सक्सेना ने की और छात्राओं के स्वविकास तथा स्वावलम्बन के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन आजादी का अमृत महोत्साय की सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला सिंह ने किया और बालिका दिवस मनाने के उद्देश्य, लैंगिक समानता, भ्रूण हत्या की विस्तृत व्याख्यान करते हुए कहा कि शिक्षा वह माध्यम है जिससे छात्रायें सशक्त हो सकती हैं, वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और स्वावलम्बी बनेंगी। वक्ता डॉ. विनीता पाण्डेय ने बालिका सुरक्षा पर विचार व्यक्त किये। वक्ता डॉ. वन्दनी ने भ्रूण हत्या स्वावलम्बन पर विस्तृत व्याख्यान दिया। डॉ. दुर्गा गौतम ने अपने वक्तव्य में पॉक्सो ऐक्ट पर चर्चा किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मीना अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. उषा चौधरी, डॉ. मंजरी श्रीवास्तव, डॉ. चन्दा रानी इत्यादि अनेक प्रवक्तागण तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

महाविद्यालय के परमानन्दरपुर परिसर में राजनीतिविज्ञान विभाग द्वारा 25 जनवरी, 2023 को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर 'मतदाता जागरूकता रैली' का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत किया गया। रैली का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर किया। अपने उद्‌बोधन में प्रो.मिथिलेश सिंह ने छात्राओं को लोकतंत्र में मताधिकार के महत्व को बताते हुए उन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया। मतदाता रैली में छात्राओं द्वारा 'सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो', 'लोकतंत्र का भाग्य विधाता, मतदाता होता है' के नारे लगाते हुए परमानन्दपुर गांव के निवासियों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में एक स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की शिवांगी श्रीवास्तव व नेहा पटेल को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान एवं डॉली प्रजापति को द्वितीय स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेटर की महिमा पटेल को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की शालू यादव को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। मतदाता जागरूकता रैली में राजनीतिविज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह एवं डॉ. पूनम राय, डॉ. धनन्जय सहाय, सुश्री मीनाक्षी मधुर, डॉ. सोनम चौधरी, अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. ओ.पी. चौधरी, परीक्षा नियंत्रक एवं आजादी का अमृत महोत्सव के समन्वयक प्रो. दुष्यन्त सिंह, सह–समन्वयक डॉ. नन्दिनी पटेल, अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.एस. पाण्डेय, प्रा. इतिहास विभाग की प्रवक्ता डॉ. सरला सिंह, डॉ. अंजना सिंह, गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता लेफ्टिनेन्ट डॉ. ऊषा बाल चंदानी, पुस्तकालय विभाग से श्रीमती सरोज भास्कर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन लेफ्टिनेन्ट डॉ. ऊषा बाल चन्दानी द्वारा 'मतदाता जागरूकता शपथ' दिलाकर किया गया।

राष्ट्रीय महिला दिवस

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण सम्मान एवं स्वावलम्बन पर एक संगोष्ठी का आयोजन 13 फरवरी, 2023 को किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन आजादी का अमृत महोत्सव की सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला ने किया और उन्होंने राष्ट्रीय महिला दिवस के औचित्य के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा वह माध्यम है जिससे महिलाएं सशक्त हो सकती है और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक एवं स्वावलम्बी बन सकती है। हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. प्रिया भारतीय ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला–पुरुष के बीच सामंजस्य से ही सामाजिक विकास सम्भव है, महिलाओं को अपनी बात रखने की आजादी होनी चाहिए। बच्चे की परवरिश मनुष्य के आधार पर होनी चाहिए न कि लिंग के आधार पर। कार्यक्रम की अगली कड़ी में सुश्री मीनाक्षी मधुर ने महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण विषय में बताते हुए कहा कि व्यक्ति का व्यक्ति के रूप में सम्मान होना चाहिए लिंग के आधार पर असमानता नहीं की जानी चाहिए साथ ही स्त्री अधिकारों से सम्बन्धित विभिन्न अनुच्छेदों एवं अधिनियमों के बारे में बताया। डॉ. दुर्गा गौतम ने उद्यमिता एवं आर्थिक स्वावलम्बन के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. मेनका सिंह ने महिला समानता की बात कही और कविता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के विषय में अपने विचार रखे। छात्रा प्रेरणा उपाध्याय एवं वैष्णवी यादव ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन छात्रा अंजली कुमारी ने किया। इस अवसर पर अनेक प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

गणतन्त्र दिवस

महाविद्यालय के बुलानाला तथा परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 26 जनवरी, 2023 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर गणतंत्र बसन्तोत्सव मनाया गया। महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में प्रातः 8:00 बजे व परमानन्दपुर परिसर में प्रातः 10:00 बजे प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा सभी द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। बसन्त पंचमी के शुभ अवसर पर माँ सरस्वती की वन्दना करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने न केवल उच्च शिक्षा निदेशालय के निदेशक के संदेश को पढ़ा अपितु नागरिकों के अधिकार तथा कर्त्तव्य की बात करते हुए संविधान के भाग–५ में उल्लेखित मौलिक कर्त्तव्यों में से कुछ कर्त्तव्यों की चर्चा की, जिसका पालन देश के प्रत्येक नागरिक को अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री अरूण अग्रवाल ने की। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उन्होंने सभी को गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी के सभापति श्री संतोष कुमार अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि महाविद्यालय शिक्षा का मन्दिर होता है तथा शिक्षा पथ पर निरन्तर अग्रसर होने के लिए सभी को तन–मन–धन से निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि श्री अम्बुज गुप्त 'प्रपौत्र राष्ट्र रत्न शिव प्रसाद गुप्त' ने अपने उद्‌बोधन में वाराणसी में स्थित भारत माता मंदिर को मंदिर क्यों कहा जाता है तथा शिक्षा का तात्पर्य क्या होता है इस पर प्रकाश डाला। द्वितीय विशिष्ट अतिथि डॉ. वृजबाला, प्रवक्ता, आर्य महिला पी.जी.कॉलेज, वाराणसी ने गणतन्त्र दिवस के महत्ता को रेखांकित एवं इतिहास के पन्नों को पलटते हुए 26 जनवरी को ही गणतन्त्र दिवस क्यों मनाया जाता है इस पर छात्राओं को संदेश दिया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरला सिंह तथा डॉ. सुमन सिंह ने किया। डॉ. सरला सिंह ने स्वागत भाषण के द्वारा सभी का स्वागत, अभिवादन तथा अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रबन्धक डॉ. मधु अग्रवाल, सहायक मंत्री डॉ. रूबी साह, प्रबन्ध समिति के सदस्य, अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. ओ.पी. चौधरी, आजादी का अमृत महोत्सव के समन्वयक प्रो. दुष्यन्त सिंह, सह–समन्वयक डॉ. श्रृंखला तथा डॉ. नन्दिनी पटेल, प्रो. सुमन मिश्रा, प्रो. अनीता सिंह, प्रो. आभा सक्सेना, प्रो. आकाश, प्रो. अर्चना सिंह, डॉ. सोमन चौधरी, डॉ. वन्दिनी, डॉ. साधना यादव, डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. प्रिया भारतीय, डॉ. सुधा सिंह, श्रीमती मेनका सिंह, श्रीमती शोभा प्रजापति, डॉ. अंजली त्यागी, सुश्री दिव्या पाल, सुश्री मीनाक्षी मधुर, डॉ. शशि बाला, डॉ. अर्चना श्रीवास्तव इत्यादि समस्त प्रवक्तागण, कर्मचारीग ण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम् राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शहीद दिवस पर बापू को अर्पित की गई भावभीनी श्रद्धांजलि

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'शहीद दिवस' का आयोजन 30 जनवरी, 2023 को किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए आजादी का अमृत महोत्सव के समन्वयक एवं परीक्षा नियन्त्रक प्रो. दुष्यन्त सिंह ने कहा कि पंच महाव्रत को गांधी ने अपनाया और आजीवन उसका अनुसरण किया। सत्य और अहिंसा उनके दो मजबूत शस्त्र थे जिनकी बदौलत उन्होंने भारत को अंग्रेजी हुकूमत की दासता से मुक्ति दलाई। समाजशास्त्र विभाग की प्रवक्ता श्रीमती शोभा प्रजापति ने कहा कि गांधी जी के व्यवहार और सिद्धान्त में कोई अन्तर नहीं था। वे पहले अपने आचरण में किसी भी बात को उतारते थे फिर दूसरों से उस पर अमल करने की बात करते थे। डॉ. शशिबाला एवं कुछ छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अभ्यागतों का स्वागत प्रो. संध्या ओझा ने किया। इस अवसर पर छात्राओं ने गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जे' तथा रामधुन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अराधना श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मंजरी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती, महाराज श्री अग्रसेन तथा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रो. आभा सक्सेना, श्रीमती बेबी गुप्ता, श्री अजय श्रीवास्तव, श्री शमशेर सहित काफी संख्या में छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

वेटलैण्ड दिवस

महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 2 फरवरी, 2023 को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा 'वेटलैण्ड' दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह ने किया और इस दिवस को मनाने के उद्देश्य, आर्द्रभूमि क्या है एवं आर्द्रभूमि के विशेषताओं के विषय में चर्चा की। मुख्य वक्ता डॉ. विभा अग्रवाल ने आर्द्रभूमि के महत्व को बताते हुए कहा कि आर्द्रभूमि वर्षा भूजल, बाढ़ पानी को अवशोषित करती है और धीरे–धीरे फिर परिस्थितिकी तन्त्र से छोडती है, कई आर्द्रभूमि प्राकृतिक सुन्दरता के क्षेत्र हैं और पर्यटन को बढ़ावा देती हैं। अगली कड़ी में डॉ. जे.पी.शर्मा ने आर्द्रभूमि के प्रकार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्द्रभूमि को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह मानव के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। डॉ. नन्दिनी पटेल ने कहा कि आर्द्रभूमि दिवस 2 फरवरी को क्यों मनाया जाता है, आर्द्रभूमि मानव तथा पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जीवन, वनस्पति प्रजातियाँ आर्द्रभूमि में रहती हैं और उस पर निर्भर हैं। आर्द्रभूमि का संरक्षण किया जाना आवश्यक है। डॉ. श्रृंखला ने आर्द्रभूमि की भारत में स्थिति पर प्रकाश डाला साथ ही साथ आर्द्रभूमि कच्चे माल, दवाओं व्यापार के स्रोत है, आर्द्रभूमि पर मँडराते संकटों एवं उसके संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनेक प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शहीद दिवस

महाविद्यालय के वुलानाला परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 23 मार्च, 2023 को प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातात्विक एवं संस्कृति विभाग द्वारा शहीद दिवस के अवसर पर 'भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरू का स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान' नामक विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विषय प्रवर्तन प्राचीन इतिहास की प्रवक्ता डॉ. कंचन माला यादव ने किया। उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरू के जेल के बन्दी जीवन तथा वहां की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए उनके अहिंसात्मक संघर्षों पर प्रकाश डाला, जो वर्तमान में भी युवा पीढ़ी के लिए संघर्ष का एक आदर्श प्रस्तुत करता है। वक्ता डॉ. श्रृंखला सिंह ने भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू तीनों वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन के साथ उनकें क्रांतिकारी विचारों की चर्चा की और कहा कि उनके बलिदान ने क्रांति की चिंगारी उत्पन्न की, जो जनमानस के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनी और अंग्रेजी हुकूमत की जड़े हिला दी। भौतिकी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील मिश्रा ने तीनों शहीदों की वर्तमान मे क्या प्रासंगिकता है? इस विषय पर प्रकाश डाला तथा कहा कि भगत सिंह का मुख्य उद्देश्य सभी के चेतना को जागृत करना था, जिससे गुलामी की बेड़ियाँ तोड़ना आसान हो सके। राजनीति विज्ञान की प्रवक्ता डॉ. सोमन चौधरी ने भगत सिंह के धार्मिक तथा सामाजिक दृष्टिकोण पर अपने विचार व्यक्त किये तथा उसे वर्तमान के लिए भी एक संदेश बताया। मनीषा सिंह ने कहा कि भगत सिंह आज भी हम सभी में जीवित हैं, आवश्यकता है केवल अपनी चेतना को जागृत करने तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करने की, इसी से राष्ट्र निर्माण होगा। इसी श्रृंखला में बी.ए. भाग तीन की अनेक छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। अनुष्का भारती ने एक कविता 'भारत माँ के लाल थे वे, आजादी की थी चाह बड़ी', के माध्यम से उन वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंजली पाण्डेय ने राजगुरू को वाराणसी से सम्बद्ध होने पर, प्रकाश डालते हुए कहा कि यहीं से उनमें स्वतन्त्रता संघर्ष की भावना प्रस्फुटित हुई थी। अनुष्का सिंह ने हिंसा के प्रति भगत सिंह के दृष्टिकोण पर अपने विचार रखें। श्रुति शर्मा ने एक काव्यात्मक पाठ 'माँ के तीनों लाल जाएंगे भगत न एक अकेला' के द्वारा शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. नन्दिनी पटेल ने तीनों शहीदों के जीवन के अंतिम पत्र का पाठन किया। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती दुर्गा गौतम ने किया। कार्यक्रम में अनेक प्रवक्तागण एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

भगवान परशुराम जयन्ती

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा 'परशुराम जयन्ती' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह ने परशुराम जी के सम्पूर्ण जीवन चरित पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा यादव, श्रीमती मेनका सिंह, डॉ. सोनम चौधरी (राजनीति विज्ञान विभाग), डॉ. मंजरी श्रीवास्तव (मनोविज्ञान विभाग) एवं अनेक प्रवक्तागण व छात्राएं उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 23 मार्च, 2023 को 'विश्व जल दिवस' के अवसर पर जल संरक्षण की विभिन्न तकनीकियाँ विषय पर जैव-प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने अपने वक्तव्य में कविता के माध्यम से जल की शुचिता, पवित्रता, आवश्यकता का संदेश दिया। जल के बिना सृष्टि का संचालन सम्भव नहीं है अतः जल का संरक्षण करना मनुष्य का कर्तव्य है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. विभा अग्रवाल ने बताया कि जीवन जैविक अणुओं से बने होते हैं तथा इन जैविक अणुओं की संरचना तथा कार्य तभी सम्भव है जब पृथ्वी पर जल मौजूद हो साथ ही जल संरक्षण की विभिन्न तकनीकियों जैसे वर्षा जल संरक्षण तथा वाटरशेड मैनेजमेन्ट के बारे में बताया। अग्रिम कड़ी में आजादी के अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. श्रृंखला ने विश्व जल दिवस मनाये जाने के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि ल एक दुर्लभ एवं अनमोल संसाधन है, जिसके संरक्षण के लिए हमें जागरूक रहना चाहिए। दैनिक जीवन में जल सदुपयोग की प्रक्रिया, अवशिष्ट जल के रिसाइक्लिंग, वर्षा जल के संचयन पर चर्चा की। प्रो. आभा सक्सेना ने संरक्षण, सुरक्षा, समन्वय एवं सन्तुलन के द्वारा जल को बचाने की बात की। डॉ. सुनील मिश्रा ने जल संरक्षण के बारे में कहा कि हमें उन फसल उत्पादों का प्रयोग करना चाहिए जिसके उत्पादन में कम जल की आवश्यकता हो, इससे जल को बचाया जा सकता है। डॉ. जे.पी. शर्मा ने कहा कि जल की आवश्यकता अस्तित्व से लेकर अन्त्येष्टी तक होती है इसलिए हम जल के सदुपयोग को अपने आदत में शामिल करके ही जल बचा सकते हैं। डॉ. संजय सिंह ने जल के महत्व को बताते हुए इसके संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। जल संरक्षण पर बी.एस-सी. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं नव्या, खुशी मौर्या, इशिता भट्टाचार्य ने अपने विचार प्रकट किये। डॉ. विभा अग्रवाल ने जल संरक्षण पर सभी छात्राओं तथा प्रवक्ताओं को शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अंजलि दूबे तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रवक्ता डॉ. पिंकी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा जल संरक्षण पर पोस्टर भी बनाये गये। कार्यक्रम में डॉ. वन्दनी, श्रीमती दुर्गा गौतम, डॉ. प्रिया भारतीय, श्रीमती मेनका सिंह, डॉ. शिवानी सिंह, डॉ. रश्मि सिंह सहित अनेक प्रवक्तागण तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन स्थापना दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'विश्व स्वास्थ्य संगठन स्थापना दिवस' के उपलक्ष्य में 'श्रीअन्न एवं हमारा स्वास्थ्य' विषय पर परिचर्चा का आयोजन गृहविज्ञान विभाग द्वारा 7 अप्रैल, 2023 को किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश राय पी.जी. कॉलेज, डोमी की गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रो. सरोज सिंह ने मोटे अनाजों का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का सारगर्भित व्याख्यान दिया। अग्रिम कड़ी में कला एवं मानविकी संकाय प्रमुख, छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुमन मिश्रा ने छात्राओं को अनाजों की उपयोगिता एवं उनकें व्यवहारिक पक्ष से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रो. अनीता सिंह ने विषय की प्रवर्तन करते हुए श्रीअन्न के प्रकार एवं उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव को सरल शब्दों में समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आकृति मिश्रा ने किया और छात्राओं को अपने दैनिक आहार में मोटे अनाजों को सम्मिलित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. सीमा अरथाना, श्रीमती माधुरी यादव, श्रीमती अराधना एवं अनेक प्रवक्तागण तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आर्य समाज स्थापना दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'आर्य समाज स्थापना दिवस' के अवसर पर 'एक समाज सुधारक के रूप में स्वामी दयानन्द सरस्वती एवं आर्य समाज की भूमिका' विषय पर अंग्रेजी विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयेजन 10 अप्रैल, 2023 को किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती एक महान चिन्तक एवं समाज सुधारक थे। उन्होंने 10 अप्रैल 1875 को मुम्बई में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका मूल उद्देश्य वेदों व सनातनी धर्म ग्रन्थों की पुनर्स्थापना था। अपने गुरू स्वामी विरजानन्द से प्रेरणा लेकर भारत में आस्था ज्ञान व स्वाभिमान की गंगा बहाने का बीड़ा उठाया। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में डॉ. मनीषा सिन्हा ने स्वामी दयानन्द जी के राष्ट्रीय आन्दोलनों व राष्ट्रीय गौरव को स्थापित करने हेतु निर्मित योजनाओं पर विशेष चर्चा की तथा बताया कि महर्षि दयानन्द जी ने ही स्वराज का नारा दिया था, जिसको बाल गंगाधर तिलक व गोपाल कृष्ण गोखले ने मूल वाक्य बना दिया था। अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के महासंग्राम की योजना बनाने में दयानन्द जी की अग्रणी भूमिका रही है। इस अवसर पर बी.ए. की छात्रा आकांक्षा उपाध्याय ने स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवन परिचय एवं जीवन दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिभा तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. आरती सिंह, आजादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. नन्दिनी पटेल एवं डॉ. श्रृंखला सिंह, डॉ. पूनम श्रीवास्तव, डॉ. अंजना सिंह इत्यादि प्रवक्तागण एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती

महाविद्यालय में 11 अप्रैल, 2023 को आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती' के अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में 'महात्मा ज्योतिबा फूले का योगदान' विषय पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में टी.डी. कॉलेज जौनपुर के मनोविज्ञान विभाग के अवकाश प्राप्त सह-आचार्य डॉ. जगदीश सिंह दीक्षित ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले एक आदर्श शिक्षक और समाज सुधारक थे। वे शोषित व दलितों, महिलाओं सभी के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने में आजीवन लगे रहे। प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने ज्योतिबा फूले के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन दूसरों के लिए, पीडित मानवता की सेवा में ही व्यतीत हुआ। प्रभारी विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र प्रो. अनीता सिंह ने स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निशा पाठक तथा धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता प्रशासन प्रो.ओ.पी.चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो. आभा सक्सेना, प्रो. संध्या ओझा, डॉ. आकृति मिश्रा, आजादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. शशिबाला, डॉ. अराधना श्रीवास्तव, डॉ. मंजरी श्रीवास्तव इत्यादि प्रवक्तागण एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

'श्री अरविंद की समग्र शिक्षा वैल्यू एजुकेशन से कहीं अधिक महत्व रखती है' -डॉ. अपर्णा राय

मानव जीवन शिक्षा के बिना पशु के समान है। शिक्षित व्यक्ति का योगदान निश्चित रूप से परिवार, समाज एवं राष्ट्र को सुदृढ़ आधार प्रदान करता है अतः महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में श्री अरविंद सोसायटी परमानन्दपुर, वाराणसी केंद्र (UC08) द्वारा 'श्री अरविंद के समग्र शिक्षा' विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (11-12 अप्रैल, 2023) का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा विद्यालय तक सीमित न होकर जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया के रूप में बच्चों के सर्वांगीण विकास के निमित्त होनी चाहिए। संगोष्ठी में प्रथम दिन समन्वयक और महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने अपने वक्तव्य में उपरोक्त विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री अरविंद की समग्र शिक्षा का उद्देश्य अपने अंतर्मन को जानना और हृदय से चीजों को ग्रहण करना है और समग्र शिक्षा में सद्-चित्-आनंद निहित होता है। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. प्रिया भारतीय ने कहा कि श्री अरविंद की समग्र शिक्षा का सम्बन्ध व्यक्ति के मात्र बाह्य नहीं अपितु आंतरिक विकास से होता है। विशिष्ट वक्ता प्रो. आकाश ने बताया कि जाति धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर स्व तथा आत्मचिंतन तक ले जाना ही श्री अरविंद की शिक्षा है। प्रो. आभा सक्सेना ने कहा कि गिव एण्ड टेक का सामंजस्य और संतुलन ही श्री अरविंद की समग्र शिक्षा है। संगोष्ठी में महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण और छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. उषा बालचंदानी ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. ओ. पी. चौधरी ने किया।

संगोष्ठी का द्वितीय दिवस

'श्री अरविंद आध्यात्मिक चैत्य पुरुष थे' -श्री आर.डी. तिवारी

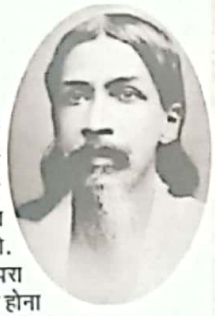

बतौर मुख्य वक्ता श्री आर.डी. तिवारी (श्री अरविंद सोसायटी, प्रयागराज) ने श्री अरविंद के प्रति श्रीमाँ की श्रद्धा को विश्लेषित करते हुए, श्री अरविंद के शैक्षिक विकास पर प्रकाश डाला। शिक्षा तब तक अधूरी है जब तक दीक्षा न दी जाय यह कहना था विशिष्ट वक्ता प्रो. धर्मेंद्र सिंह (प्रो., यू.पी. कॉलेज, वाराणसी) का। प्रो. सिंह ने कहा कि यदि हम शोर और संगीत के अन्तर को मिटा सकें तो यही हमारी उपलब्धि होगी। प्रो. दुष्यंत सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम अपरा विद्या की तरफ लालायित हैं, परा विद्या को छोड़ दे रहे हैं जिसमें आध्यात्मिकता है जबकि परा और अपरा दोनों में समन्वय होना चाहिए। प्रो. कुमुद सिंह ने कबीर की उलटबांसी का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्वयं के अंदर स्वतः सुधार लाने की बात की क्योंकि सब कुछ अपने अंदर है। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह ने सभी वक्ताओं के वक्तव्य का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि किसी एक संगोष्ठी से हम विषय के निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते बल्कि यह एक आरम्भ है उस पर और अधिक चिंतन और मनन करने का। इस अवसर पर डॉ. सोनम चौधरी, डॉ. सुधा यादव, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. विभा सिंह, डॉ. अनीता सिंह आदि प्रवक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए साथ ही बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्रवक्तागण और छात्राएँ व अन्य महाविद्यालय से प्रवक्तागण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. प्रिया भारतीय और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उषा बालचन्दानी ने किया।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जलियावाला बाग शहीदी दिवस

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'सत्याग्रह दिवस' (जलियांवाला बाग शहीदी दिवस) पर वैचारिक गोष्ठी का आयोजन 13 अप्रैल, 2023 को किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन डॉ. सरला सिंह ने किया और कहा कि जलियावाला बाग हत्याकांड भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का ऐसा ऐतिहासिक मोड़ था जिसने स्वतन्त्रता आन्दोलन की ऐसी अलख जला दी कि भारतीय कभी आजादी तक चैन की नींद सो ही नही पाये। आजादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. श्रृंखला ने जलियावाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जलियावाला बाग हत्याकांड भारतीय इतिहास में एक कलंकित घटना है जो कभी भुलाया नहीं जा सकता। 3 अप्रैल 1949 को यह दुखद घटना घटी जब रॉलेट एक्ट का शान्ति से विरोध कर रहे लोगों पर अन्धाधुंध गोलियां चलाकर निहत्थे मासूमों का कत्लेआम हुआ। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में डॉ. सोनम चौधरी ने कहा कि जलियावाला बाग हत्याकांड के 104 साल बीत चुके हैं लेकिन आज भी इसके जख़्म ताजा हैं। रॉलेट एक्ट के बारे में बताते हुए और कहा कि इस घटना में 1000 से अधिक लोग मारे गये थे। पूरे देश में इसके विरूद्ध आक्रोश उत्पन्न हुआ। जलियावाला हत्याकांड के विरोध में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि का त्याग कर दिया था। कार्यक्रम में अनेक प्रवक्तागण एवं छात्रायें उपस्थित रहीं।

महाविद्यालय में स्मार्टफोन / टैबलेट वितरण

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर के वीरांगना सभागार में 25 मई, 2023 को युवाओं को तकनीकी रुप से सशक्त बनाने हेतु प्रदेश सरकार की सराहनीय योजना (स्माअ फोन / टैबलेट विवरण) जिसका वर्तमान समय में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण नाम से जाना जाता है, का आयोजन प्राार्य प्रो. मिथिलेश सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह, सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश ने 405 छात्राओं को स्मार्टफोन प्रदान किया गया। विशिष्ट अतिथि अरूण कुमार सिंह भरतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर उपाध्यक्ष ने छात्राओं को स्मार्टफोन के सदुपयोग हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधक डॉ. मधु अग्रवाल, सहायक मंत्री रुबी साह, नोडल अधिकारी सुनील मिश्र एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अम्बेडकर जयंती / महावीर स्वामी जयंती

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 14 अप्रैल, 2023 की पूर्व संध्या पर अम्बेडकर जयंती/महावीर स्वामी जयंती के अवसर पर संविधान निर्माण के रूप में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान तथा 'महावीर स्वामी के सिद्वान्त' विषय पर अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र द्वारा वैचारिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यकम का प्रारम्भ माँ सररवती डॉ. भीमराव अम्बेडकर, महावीर स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। कार्यकम में सभी अभ्यागतों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्रो० कुमुद सिंह ने किया और अम्बेडकर जी के विचारो एवं सिद्धान्तों पर विस्तृत प्रकाश भी डाला। प्रो. ओ.पी. चौधरी ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर ने सभी को समानता का अधिकार दिलाया उन्होंने दलितों एवं महिलाओं के साथ-साथ मजदूरों के लिए संघर्ष किया एवं सभी के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. आकाश ने डॉ. अम्बेडकर के महिलाओं के अधिकार दिलाने सम्बन्धी कार्यो पर विस्तार से चर्चा की। प्रो० अनीता सिंह ने महावीर स्वामी के सिद्धान्तों का उल्लेख किया। डॉ. सरला सिंह ने बताया समर्पण, भक्ति तथा दृढ़निश्चय तीन ऐसी वस्तुएं हैं जिन्हे हम डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व में सहज ही देख सकते है और उनसे प्रेरणा ले सकते है डॉ. वन्दनी ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर किसी एक वर्ग के उत्थान की बात नहीं कही वे सभी वर्गो के समानता के पक्षधर थे। श्रीमती दुर्गा गौतम ने अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का महत्व बताते हुए कहा कि सभी को बोलने का अधिकार मिलना चाहिए लेकिन दूसरे के इसी अधिकार की कीमत पर नहीं। श्रीमती शोभा प्रजापति ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन-संघर्ष एवं समाजसुधार के लिए किये गये कार्यो तथा हिन्दू कोड बिल आदि पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यकम का संचालन अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र की सह-समन्वयक सुश्री मीनाक्षी मधुर ने तथा धन्यवाद ज्ञापन IQAC की सह-समन्वयक डॉ. सुमन सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. आरती सिंह, आजादी का अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. श्रृंखला, डॉ. सोनम चौधरी, डॉ. प्रिया भारतीय, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. उषा चौधरी, श्रीमती मेनका सिंह, सुश्री दिव्या पाल इत्यादि अनेक अन्य प्रवक्तागण तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

विश्व पृथ्वी दिवस

महाविद्यालय के बुलानाला परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अर्न्तगत 22 अप्रैल, 2023 की पूर्व संध्या पर विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर "हमारा ग्रह पृथ्वी का संरक्षण एवं पर्यावरण" विषय पर वनस्पति विज्ञान एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह ने पृथ्वी दिवस क्यो मनाया जाता है और पर्यावरण संरक्षण के विषय में विस्तृत चर्चा की। डॉ. जे.पी. शर्मा ने 2023 के पृथ्वी दिवस की थीम 'Invest in our Planet' पर अपने विचार व्यक्त किये। एस.एस.सी. वॉटनी की छात्रायें आरती विश्वकर्मा, अर्चना यादव, प्रतीक्षा सिंह, सुर गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। छात्राओं ने पोस्टर प्रदर्शनी का भी लगाई, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया । कार्यकम का संचालन सुश्री आंकाक्षा मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील मिश्रा द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ. विनोद उपाध्याय तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्व आवाज दिवस

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'विश्व आवाज दिवस' 16 अप्रैल, 2023 की पूर्व संध्या पर 'दैनिक जीवन में आवाज का महत्व' विषय पर मनोविज्ञान विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि आवाज मानव पहचान का हिस्सा है, आवाज प्रकृति का अनमोल तोहफा है। विचारों की अभिव्यक्ति आवाज के माध्यम से होती है। स्पीच थैरेपी पर भी प्रकाश डाला और कहा कि उच्चारण की अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है। प्रो. संध्या ओझा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य मानव जीवन में आवाज के महत्व को पहचानना है। 16 अप्रैल को यह पूरे विश्व में मनाया जाता है। आजादी का अमृत महोत्सव के समन्वयक प्रो. दुष्यन्त सिंह ने बताया कि आवाज से हम यह भी पहचान जाते है कि व्यक्ति किस भावना से बोल रहा है। जोर-जोर से बोलने चिल्लाने से वॉइस डिसआर्डर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। प्रो. आकाश ने कहा कि शोर और आवाज का स्तर निर्धारित होना चाहिए। प्रो. अनीता सिंह ने कहा कि आज लोगों के आवाज की मिठास कहीं गुम होती जा रही है। प्रो. आभा सक्सेना ने कहा कि आहद और अनाहद स्वर-ब्रह्म है, इसलिए आवाज बहुत ही कर्णप्रिय होना चाहिए। प्रो. कुमुद सिंह ने बच्चों के सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशिबाला ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मंजरी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ. आरती, डॉ. मृदुला व्यास, आजादी के अमृत महोत्सव की सहसमन्वयक डॉ. श्रृंखला, डॉ. सोनम चौधरी, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. साधना यादव, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. विमा सिंह, डॉ. उषा चौधरी, डॉ. प्रिया भारतीय इत्यादि अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्व विरासत दिवस / तात्या टोपे शहीदी

महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा विश्व विरासत दिवस तथा तात्या टोपे शहीदी दिवस तथा आर्मरी चटगाँव क्रान्ति दिवस के अवसर पर 18 अप्रैल 2023 को 'हमारी विरासतें' तथा '1857 की क्रान्ति में तात्या टोपे की भूमिका' नामक विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आजादी के अमृत महोत्सव के समन्वयक प्रो. दुष्यन्त सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होने विरासत की अवधारणा तथा विश्व विरासत दिवस मनाये जाने के औचित्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में डॉ. साधना यादव ने सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक धरोहरों की चर्चा करते हुए यूनेस्को द्वारा भारत में संरक्षित 40 विश्व विरासत स्थलों का नामोल्लेख किया। इसी श्रृंखला में श्रद्धा वर्मा ने 1857 की क्रान्ति में तात्या टोपे की भूमिका मर अपने विचार प्रस्तुत किये। तात्या टोपे ने 1857 ई0 में कानपुर से क्रान्ति का बिगुल फूककर झाँसी, काल्पी तथा बिठूर इत्यादि स्थलों में 18 अप्रैल 1858 ई. से अपने शहीद होने तक अंग्रेजो को किस प्रकार चुनौती दी इस पर प्रकाश डाला। डॉ. सरला सिंह ने 18 अप्रैल 1930 ई. को बंगाल के चटगाँव जिले में प्रारम्भ हुई क्रान्ति आर्मरी चटगाँव की चर्चा की जिसके नेतृत्वकर्ता 'मास्टर दा' सूर्यसेन थे तथा कल्पना दत्त व प्रीतिलता वद्दोदार जैसी क्रान्तिकारी महिलाओं ने भी उस क्रान्ति में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नन्दिनी पटेल ने किया तथा आज के दिन को भारतीय इतिहास में एक ऐसा दिन बताया जिस दिन तीन घटनाएं उत्कीर्ण हुईं। धन्यवाद ज्ञापन बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा प्रतिक्षा आनन्द ने किया। कार्यक्रम में अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

महाराणा प्रताप जयन्ती

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती पर राष्ट्रनायक के रूप में महाराणा प्रताप का योगदान विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित शिक्षकगण एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए महराणा प्रताप के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेते हुए दृढ़निश्चयी हो कर्त्तव्यपथ पर बढ़ते हुए लक्ष्य-प्राप्ति हेतु प्रतिबद्ध रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. आरती सिंह, डॉ. सुधा सिंह, श्रीमती मेनका सिंह एवं डॉ. साधना सिंह तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधा यादव द्वारा किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस के अवसर पर 'देश की एकता व अखण्डता में सिविल सेवा की भूमिका' नामक विषय पर 21 अप्रैल, 2023 को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत डॉ. श्रृखंला सिंह ने राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस क्या है? तथा इसकी क्या महत्ता है? इस पर प्रकाश डाला। सुश्री मीनाक्षी मधुर ने देश की एकता एवं अखण्डता में सिविल सेवा की भूमिका पर व्याख्यान देते हुए कहा कि इसी दिन देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतन्त्र भारत के प्रथम लोक सेवा सत्र को मेटकाफ हाउस 'दिल्ली' में संबोधित किया था और लोक सेवकों को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहकर सम्मानित किया था। डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी ने लोकसेवकों के देश के प्रति कर्त्तव्य निष्ठा तथा समर्पण को नमन करते हुए कहा कि वर्तमान में देश की प्रगति में लोकसेवकों का अमूल्य योगदान है। डॉ. सुमन सिंह ने सिविल सेवा की भूमिका के सन्दर्भ में कहा कि भारत के स्वरूप व नागरिकों को सशक्त बनाने में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। डॉ. विभा सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वो देश का भविष्य हैं, उन्हे भी एक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का प्रयास सदैव करते रहना चाहिए। श्रीमती दुर्गा गौतम तथा श्रीमती मेनका सिंह ने देश की एकता एवं अखण्डत के लिए सिविल सेवकों में मानवीय पक्ष पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यकम का संचालन डॉ. धनंजय सहाय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सोनम चौधरी ने किया। कार्यकम में अनेक प्रवक्तागण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

विद्वत परिषद की बठैक

महाविद्यालय में काफी समय से बाधित विद्वत परिषद की बैठक प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह की अध्यक्षता में परमानन्दपुर परिसर में 24 मई, 2023 को सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रो. ए.एन. राय, मिजोरम विश्वविद्यालय, शिलांग, प्रो. रमाशंकर त्रिपाठी, समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, प्रो. आम्रपाली त्रिवेदी, आचार्य, वसंत कन्या महाविद्यालय, राजघाट, वाराणसी, डॉ. दीनानाथ सिंह, शिक्षाविद, प्रो. पी.एन. सिंह, शिक्षाविद, शासी निकाय द्वारा नामित सदस्य प्रो. कविता शाह, प्रो. उदय मिश्रा, अरविन्द सिकरिया एवं महाविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राचार्य द्वारा नामित सदस्य व मिडिया प्रभारी और विद्वत परिषद के सचिव उपस्थित रहे।

इस बैठक में वाणिज्य संकाय द्वारा प्रस्तावित ई-टैक्सेशन के डिप्लोमा कोर्स को भी अनुमति प्रदान की गई। साथ ही साथ राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 के आलोक में परास्नातक स्तर पर कराई गई अध्ययन परिषद से अनुमोदिक पाठ्यक्रमों को सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। गृह विज्ञान विषय से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई। विद्वत परिषद की सचिव डॉ. आकृति मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर बैठक का समापन किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय पंचायत दिवस

महाविद्यालय के परमांनदपुर परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अर्न्तगत 24 अप्रैल, 2023 को राजनीतिविज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पंचायत दिवस' के अवसर "लोकतंत्र के आधारभूत स्तम्भ के रूप में पंचायतों की भूमिका" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राजनीतिविज्ञान विभाग की असि. प्रो. मीनाक्षी मधुर ने भारत के लिये पंचायतों का महत्व बताते हुए कही कि पंचायती राज के बिना लोकतंत्र अपने अवसंरचना में सफल नहीं हो सकता है। प्रो. ओ.पी. चौधरी ने पंचायती राज की वर्तमान व्यवहारिक समस्याओं पर जोर दिया एवं उसके व्यवहारिक समाधान भी सुझाए। डॉ. धनंजय सहाय ने पंचायती राज की भारत में रूपरेखा तथा उसके सम्बन्ध में किये गये संवैधानिक प्रावधानों की चर्चा की। आजादी के अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. नन्दिनी पटेल ने स्थानीय स्वशासन तथा पंचायती राज कें ऐतिहासिक पक्ष पर जोर देते हुये बताया कि हमारे इतिहास की जड़ो में ही पंचायती राज तथा स्थानीय स्वशासन के बीज देखे जा सकते हैं। प्रो. आकाश ने अपने वक्तव्य में कहा कि कैसे राजीव गांधी जी की सरकार में पंचायतों के लिये संवैधानिक प्रावधान थे और पहली बार महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कही गयी। सोनम चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि पंचायतों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है लेकिन अब भी उनके सशक्तिकरण की आवश्यकता है, इसके लिये स्वयं महिलाओं को ही आगे आना होगा। इस अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव की सह-समन्वयक डॉ. श्रृंखला सिंह, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. प्रिया भारतीय, डॉ. उषा चौधरी इत्यादि अनके प्रवकक्तागण तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

Scanned with OKEN Scanner

आज़ादी का अमृत महोत्सव

व्यवसायिक और प्रबंधकीय कौशल कोर्स की ओर एक कदम

महाविद्यालय के कैरियर एवं काउंसलिंग प्रकोष्ठ एवं एडटेक कंपनी यंग स्किल्ड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में डिग्री कोर्स के साथ भविष्य के कैरियर में व्यवसायिक और प्रबंधन कौशल का महत्व विषय पर गुरुवार को कॉलेज के बुलानाला परिसर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्राचार्य एवं कैरियर एंड काउंसलिंग प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि युवा प्रकृति का उपहार है जिनमें अपार क्षमताएं होती है यदि इन्हें सही मार्गदर्शन दिया जए तो यह देश के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। मुख्य वक्ता नीरज श्रीवास्तव, यंग स्किल्ड इंडिया के सीईओ ने बताया कि वैश्विक बेरोजगारी का मूल कारण उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं के बीच उनकी नियमित डिग्री के अलावा व्यावसायिक एवं प्रबंधकीय कौशल की कमी है। व्यावसायिक एवं प्रबंधकीय कौशल शिक्षा की आवश्यकता देश के प्रत्येक युवा को है। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता प्रशासन प्रोफेसर आकाश एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अनिता सिंह ने किया। कॉलेज के कैरियर एवं काउंसलिंग प्रकोष्ठ एवं यंग स्किल इंडिया, भारत सरकार के बीच एक एमओयू साईन किया गया जो महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में कैरियर एवं काउंसलिंग की सह–समन्वयक डॉ. आराधना श्रीवास्तव साथ ही साथ अन्य विभागों के प्राध्यापकगण डॉ. श्रृंखला, डॉ. सोनम चौधरी, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. सुधा यादव, डॉ. कंचन यादव, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, डॉ. सुनिल मिश्रा, डॉ. जे.पी. शर्मा एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

शासी निकास की बैठक 2016 के बाद पहली बार

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में 23 मई, 2023 को 2016 के बाद शासी निकास की बैठक श्री गौरव अंग्रवाल सीए की अध्यक्षता में हुई जिसमें विधिवत वित्त समिति का गठन किया गया। इस बैठक की सचिव स्वयं प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह थीं जिन्होंने समस्त शासी निकास सदस्यों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय नामित के रूप में प्रो. रामजी पाठक, डीएवी कॉलेज, लखनऊ उपस्थित रहें। इस समिति में विश्वविद्यालय नामित के रूप में संतोष शर्मा वित्त अधिकारी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ नामित हुए, शासी निकाय के द्वारा श्री प्यारे कृष्ण अग्रवाल सीए को नामित किया गया है तथा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह स्वयं वित्त समिति की अध्यक्ष हैं साथ ही साथ वरिष्ठ शिक्षक नामित के रूप में प्रो. सुमन मिश्रा, विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान को नामित किया गया। इस बैठक में प्रो. पी.के. पाण्डेय, डॉ. मधु अग्रवाल, डॉ. रूबी साह, अरविन्द जैन के साथ ही वरिष्ठ शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में प्रो. सुमन मिश्रा, प्रो. आभा सक्सेना तथा प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सरोज भास्कर उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner